फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 28 प्रभात जयपुर, शनिवार 29 अगस्त, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

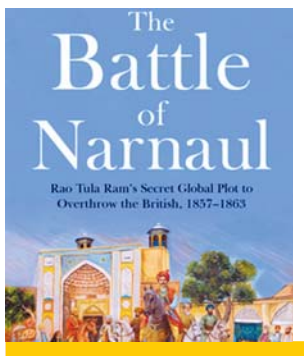

The Story of The Battle of Narnaul

He was not merely a warrior, but also a strategist. Over the years, he amassed resources, forged alliances across Rajputana, sought support from distant powers, including Persia, Afghanistan, and Russia

Born With a Silver Spoon

Saving the Peacock Tarantula

6 महीने पूरे हो गए, अमेरिका के ईरान विध्वंस की कार्यवाही शुरु हुए

इन 6 माह में ट्रंप के बड़बोले दावे पूरे नहीं हुए, बल्कि अब वे ईरान के समक्ष करीब-करीब कुंठित, क्रोधित और तिरस्कृत नज़र आते हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अगस्त। अमेरिका को ईरान के युद्ध में उतरे हुए पूरे छः महीने हो गए हैं। उस समय डॉनल्ड ट्रंप ने इसे "छोटी सी मुहिम" बताया था, लेकिन अब इसके खत्म होने के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं।

पिछले छह महीनों में ट्रंप को कई तरह भारी तरह नुकसान उठाना पड़ा। अब मध्यावधि चुनाव सामने हैं और ट्रंप उस नुकसान को कम से कम करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उन्हें बहुत कम सफलता मिल रही है। इसके विपरीत, कीमतें बढ़ रही हैं। अमेरिका ने अपने दोस्तों को खो दिया है और दुश्मन बढ़ा लिए हैं।

वह युद्ध के अपने घोषित उद्देश्यों में से एक भी हासिल करने में सफल नहीं रहे हैं। इस प्रक्रिया में उन्होंने सुरक्षा देने वाले देश के रूप में अमेरिका की प्रतिष्ठा को भी गंभीर नुकसान पहुंचाया है। अमेरिका से बहुत छोटे एक दुश्मन ने बहादुरी से उसका मुकाबला किया है और युद्ध लड़ने की नई तकनीकों का इस्तेमाल करके दिखाया है।

- अमेरिका की सैन्य कार्यवाही की शुरुआत में ही ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई मारे गए थे, तब ऐसा लगा कि ट्रंप ईरान को तबाह कर देंगे, पर, खामेनेई के बाद आए ईरान के नेता और ज्यादा कट्टर और अमेरिका के विरोध में दृढ़ साबित हुए।
- यही नहीं, अमेरिका, ईरान के परमाणु हथियारों के निर्माण ढाँचे को भी खत्म नहीं कर पाया और होर्मुज़ स्ट्रेट पर भी ट्रंप विफल रहे हैं। युद्ध से पहले तक होर्मुज़ एक खुला मार्ग था, जहाँ से कोई भी जहाज गुज़र सकता था, पर, अब यह मार्ग ईरान के नियंत्रण में आ गया है।
- ईरान पर हमले के बाद तेल की कीमतें भी तेजी से बढ़ी हैं, जिससे कई देशों की अर्थव्यवस्थाएँ प्रभावित हो रही हैं फिर भी ट्रंप बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं कि उन्होंने होर्मुज़ पर कब्जा कर लिया है।

ट्रंप के युद्ध के दो सबसे बड़े उद्देश्य न केवल पूरे होने से बहुत दूर रह गए हैं, बल्कि ऐसा लगता है कि ट्रंप ने ईरान के सामने घुटने टेक दिए हैं।

ट्रंप ने ईरान में सत्ता परिवर्तन और देश में लोकतंत्र बहाल करने की मांग की थी, ताकि लोगों को अभिव्यक्ति और विरोध प्रदर्शन की आजादी मिल सके। ईरान की सरकार ट्रंप और इज़रायल के हमलों के बावजूद टिकी रही। युद्ध के पहले ही दिन पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई सहित, कई वरिष्ठ नेताओं की हत्या कर दी गई थी।

लेकिन बस इतना ही हुआ। दमनकारी सरकार और ज्यादा मजबूत हो गई है और अमेरिकी सेना के जबरदस्त हमलों के बावजूद, ऐसा लगता है कि लोग सरकार के शासन की आलोचना करने वालों से उसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत अमेरिका से जैवलिन एंटी टैंक मिसाइल खरीदेगा

नई दिल्ली, 28 अगस्त। भारत ने अमेरिका से टैंक रोधी मिसाइल प्रणाली एफजीएम-148 जैवलिन खरीदने का समझौता किया है।

अमेरिकी दूतावास की प्रवक्ता डाना जिए ने शुक्रवार को यहां कहा, "हम पुष्टि कर सकते हैं कि भारत ने जैवलिन प्रणाली के लिए प्रस्ताव और स्वीकृति पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।"

अमेरिकी विदेश विभाग ने एक बयान में कहा, अमेरिका, अमेरिकी

- यह उन्नत, मध्यम दूरी की फायर -एंड फॉरगेट एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल है।

विदेशी सैन्य बिक्री प्रक्रिया के तहत जैवलिन एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल प्रणाली की खरीद के लिए लेटर ऑफ ऑफर एंड एक्सेप्टेंस (एलओए) पर भारतीय सेना के हस्ताक्षर का स्वागत करता है।

समझौते पर हस्ताक्षर के साथ, भारत जैवलिन प्रणाली का ग्राहक बन गया है, जो एक उन्नत, मध्यम दूरी की फायर-एंड-फॉरगेट एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल है। जैवलिन का उपयोग अमेरिकी सेना, अमेरिकी मरीन कॉर्प्स और कई अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों द्वारा किया जाता है तथा इसे बख्तरबंद वाहनों और सुदृढ़ ठिकानों सहित विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों के विरुद्ध उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है।

सोनिया गांधी की आत्मकथा नहीं छापने का निर्णय दबाव में लिया पैनग्विन ने?

क्योंकि वे बार-बार कह रहे हैं, हम आत्मकथा छापने को तैयार हैं, पर, कुछ बदलाव चाहते हैं, लेकिन क्या बदलाव चाहते हैं, यह स्पष्ट नहीं है, इससे लगता है, वे दबाव में हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अगस्त। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के संस्मरण "बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव" को पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया द्वारा प्रकाशित नहीं करने की खबरों पर विवाद खड़ा हो गया है।

पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया ने आज स्पष्ट रूप से इस बात से इनकार किया कि उसने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की आगामी पुस्तक "बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव" को प्रकाशित करने का फैसला इसलिए बदला, क्योंकि लेखिका ने संपादकीय बदलाव करने से इनकार कर दिया था। पब्लिशर का कहना है कि वे इस पुस्तक को प्रकाशित करने के लिए "इच्छुक और उत्सुक" थे। हालांकि, उनके बयान में इस बात का कोई जिक्र नहीं था कि असल में इसे नहीं छापने की वजह क्या थी।

पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया, हालांकि, अपने जवाब में साफ कह रहा है कि "भारत में सोनिया गांधी की आने वाली किताब, "बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव" का प्रकाशक वह नहीं है। लेकिन सूत्रों ने का कहना है कि सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से भारी राजनीतिक दबाव था कि उन हिस्सों को हटाया या संपादित किया जाए, जिनमें भारतीय जनता पार्टी के उदय और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सत्ता में आने का उल्लेख है।

- जब किसी बड़े नेता, जो कि सोनिया गांधी हैं, की आत्मकथा छपती है तो उसमें परिवर्तन का सुझाव अनुचित और राजनीति से प्रेरित लगता है।
- सूत्रों ने बताया कि सोनिया गांधी ने साफ कर दिया कि यह उनकी कहानी है और अपनी जिंदगी के बारे में बताई गई बातों में किसी तरह से बदलाव की गुंजाइश नहीं है।

सूत्रों ने कहा कि सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वैचारिक स्रोत और चीनी घुसपैठ के संदर्भों में बदलाव या उन्हें हटाने से इनकार कर दिया। दस, जनपथ के करीबी एक राजनयिक का कहना था कि 79 वर्षीय गांधी का कहना था कि यह उनकी कहानी है और उनकी अपनी जिंदगी के बारे में बताई गई बातों में किसी तरह की तोड़-मरोड़ की गुंजाइश नहीं है।

पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया का बयान चतुराई से असल तथ्यों से बचता हुआ नज़र आता है और उसमें इस्तेमाल की गई भाषा साफ तौर पर अस्पष्ट है तथा असली मुद्दों को नहीं छूती है।

पैनग्विन का बयान ऐसी खबरों के बीच आया है, जिनमें कहा गया है कि सोनिया गांधी द्वारा "एडिटोरियल" बदलावों को मानने से इंकार करने के बाद पब्लिशर पीछे हट गया था।

कंपनी ने एक बयान में कहा, "भारत में "बिलॉन्गिंग" की प्रकाशक पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया नहीं है। यह कहना कि लेखिका द्वारा संपादकीय बदलाव से इनकार करने के कारण पैनग्विन रैंडम हाउस इंडिया ने "बिलॉन्गिंग" को प्रकाशित नहीं करने का फैसला किया, असल हालात को सही तरीके से नहीं दर्शाता है।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अकाली दल के साथ गठबंधन की वार्ता अभी खत्म नहीं हुई है

हालांकि, भाजपा के संगठन मंत्री बीएल संतोष ने कहा था कि पार्टी पंजाब की सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, लेकिन इसे अकाली दल पर दबाव बनाने की रणनीति माना जा रहा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अगस्त। "हम सभी 117 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे" पंजाब में भाजपा का यह हालिया बयान संकेत दे रहा है कि शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के साथ भाजपा के समझौते की बातचीत टूट गई है। लेकिन राज्य में मतदान होने में अभी करीब छह महीने बाकी हैं और तीन अहम मुद्दों पर बातचीत जारी है।

ये मुद्दे हैं-कौन-सी पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, कौन-सी सीटें किसके हिस्से में जाएंगी और मुख्यमंत्री तथा उपमुख्यमंत्री पद के लिए किसे चेहरा बनाया जाएगा। पूरे मामले के केन्द्र में ज्यादा मुखर भाजपा है, जिसने अब तक सिख बहुल इस राज्य में बादल परिवार के अकाली दल की तुलना में काफी कनिष्ठ भूमिका निभाई है। सूत्रों के मुताबिक, सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत का एक दौर पहले ही हो चुका है।

- भाजपा सीटों के बंटवारे में ज्यादा सीटें चाहती है, जबकि अब तक वह मात्र 23 सीटों पर ही चुनाव लड़ती रही है।
- भाजपा के ज्यादा सीटों पर दावे का आधार है, 2024 के लोकसभा चुनावों में ज्यादा विधानसभा सीटों पर बढ़त प्राप्त करना, इसमें भाजपा को पंजाब में हालांकि एक भी सीट नहीं मिली, पर वोट प्रतिशत 18.5 प्रतिशत से अधिक था।

माना जा रहा है कि यह तय हो चुका है कि इस बार भाजपा पहले की तुलना में अधिक सीटों पर चुनाव लड़ेगी। जब भी भाजपा ने एसएडी के साथ गठबंधन में विधानसभा चुनाव लड़ा है, उसने अधिकतम 23 सीटों पर ही चुनाव लड़ा है, जैसा कि 2017 में हुआ था।

2020-21 के कृषि कानूनों के विरोध में एसएडी के गठबंधन से अलग होने के बाद, भाजपा ने पूर्व कांग्रेस मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की पंजाब लोक कांग्रेस और सुखदेव सिंह ढींडसा के नेतृत्व वाले एसएडी के गुट के साथ गठबंधन किया था। इस गठबंधन में करीब 70 उम्मीदवार भाजपा के चुनाव चिन्ह पर मैदान में उतरे थे, पर भाजपा को केवल दो सीटें मिलीं।

इस बार अधिक विधानसभा सीटों की मांग के पीछे भाजपा का आधार 2024 के लोकसभा चुनाव में उसका

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिलासपुर एयरपोर्ट पर विमान का टायर फटा

बिलासपुर, 28 अगस्त। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित बिलासा देवी केवट हवाई अड्डे (चक्करभाठा) पर शुक्रवार को एक बड़ा विमान हादसा टल गया।

दिल्ली से बिलासपुर पहुंची अलायंस एअर की फ्लाइट (91697)

- पायलट की सूझबूझ से सभी यात्री सुरक्षित रहे।

की रनवे पर लैंडिंग के दौरान अचानक विमान का टायर फट गया।

लैंडिंग के वक्त जोरदार आवाज के साथ टायर फटने के बावजूद पायलट ने विमान का संतुलन बिगड़ने नहीं दिया और उसे सुरक्षित रूप से रनवे के किनारे रोक लिया।

हालांकि, टायर फटने की वजह से फ्लाइट कई मीटर तक घिसटती रही। फ्लाइट ने सुबह 10:55 बजे दिल्ली से बिलासपुर के लिए उड़ान भरी थी।

सूचना मिलते ही एयरपोर्ट का फायर और रेस्क्यू दस्ता तुरंत मौके पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बैरियर लेक ओवर फ्लो, दूसरी बार भारी बाढ़ आ सकती है, नेपाल में

नेपाल पुलिस ने शुक्रवार को चेतावनी जारी की, तिब्बती क्षेत्र में बाँध टूट गया है। इसके बाद चीन के सरकारी मीडिया ने भी बैरियर झील ओवर फ्लो होने की जानकारी दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अगस्त। तिब्बत में ग्लेशियर के मलबे से बनी एक झील के उफनने के बाद तिब्बत और नेपाल में राहत एवं बचाव अभियान रोक दिया गया है। झील उफनने से नेपाल में एक और बाढ़ आने का खतरा पैदा हो गया है। वहीं, अचानक आई विनाशकारी बाढ़ में सैकड़ों लोगों की मौत के बाद बचाव दल 1,468 लापता लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

नेपाल में आई भयावह एवं अचानक बाढ़ के बाद बचे लोगों को खोजने की मुहिम को एक और झटका लगा है। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास हाल ही में बनी एक झील उफनने लगी है, जिससे दूसरी जानलेवा बाढ़ आने का खतरा पैदा हो गया है।

- बैरियर झील उफनने के बाद चीनी अधिकारियों ने बचाव कार्य रोक दिया और बचाव दलों को सुरक्षित जगहों पर भेज दिया।
- इस झील में 20 लाख घन मीटर से ज्यादा पानी है और यह ग्यिरोंग पोर्ट से मात्र 10 किलोमीटर दूर है, जिससे भारी विनाश की आशंका है।

बुधवार को सीमा के पास ग्लेशियर के टूटने के बाद हुए हिमखंड-पत्थर के हिमस्खलन से अचानक आई बाढ़ में नेपाल और तिब्बत की सीमा के दोनों ओर कम से कम 475 लोगों की मौत हो गई है और करीब 1,500 लोग अभी भी लापता हैं। पानी, कीचड़ और मलबे के तेज बहाव में घर, वाहन, सड़कें और पुल बह गए हैं तथा पूरा इलाका मलबे के नीचे दब गया है।

नेपाल पुलिस ने शुक्रवार को चेतावनी जारी की कि "तिब्बती क्षेत्र में एक बांध टूट गया है।" इसके बाद चीनी सरकारी मीडिया ने भी पुष्टि की कि एक बैरियर झील से "आज पानी का ओवरफ्लो हुआ है।" इससे नेपाल-तिब्बत को जोड़ने वाले आपदा प्रभावित सीमा मार्ग के आसपास फिर बाढ़ आने का खतरा बढ़ गया है। नई बनी झील को लेकर बढ़ी चिंताओं के कारण इलाके में बचाव अभियान रोकना पड़ा है।

चीनी अधिकारियों ने शुक्रवार को बचाव अभियान रोक दिया, क्योंकि ग्लेशियर टूटने के कारण मलबे से बनी बैरियर झील उफनने लगी। यह झील ग्यिरोंग बंदरगाह से करीब 10 किलोमीटर दूर है और इसमें 20 लाख घन मीटर से अधिक पानी जमा है। झील के टूटने की आशंका के चलते चीनी बचावकर्मियों और वाहनों को आपदा स्थल से हटाकर सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है।

नेपाल सरकार ने भी भोतेकोशी और त्रिशूली नदियों के किनारे बसे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाईकोर्ट ने एसएफएसएल भर्ती रद्द करने के प्रस्ताव पर रोक नहीं लगाई

रांची, 28 अगस्त। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) के विज्ञापन संख्या 10/2025 (बैकलॉग) के तहत स्टेट फॉरेंसिक साइंस लैबोरेट्री

- राज्य सरकार ने नियुक्ति प्रक्रिया को रद्द कर दिया था, जिसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका लगी थी।

(एसएफएसएल) में सहायक निदेशक/वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर नियुक्ति प्रक्रिया रद्द करने के राज्य सरकार के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर शुक्रवार को झारखंड उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर, जोधपुर, भरतपुर संभाग की बैठक जारी, फाइनल लिस्ट आज घोषित होगी

मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रदेश अध्यक्ष व निकाय चुनाव प्रभारी के साथ बैठकों में भाग लिया

जयपुर, (निसं), 28 जनवरी। नगर निकाय चुनाव में वॉर्ड-वार प्रत्याशियों के चयन को लेकर भाजपा में मंथन का दौर लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को भी जारी रहा। पार्टी ने संभाग-वार बैठकों में दावेदारों के तीन-तीन नामों के पैनल पर चर्चा कर अधिकांश वॉर्डों के प्रत्याशियों के नामों पर सहमति बनाने का प्रयास किया।

गुरुवार को बीकानेर संभाग के कुछ निकायों पर चर्चा अधूरी रह गई थी, जिसके कारण शुक्रवार को बीकानेर के शेष निकायों के साथ कोटा संभाग के निकायों पर मंथन किया गया। देर रात तक दोनों संभागों के अधिकांश निकायों में प्रत्याशियों के नाम तय कर लिए गए। भरतपुर संभाग के कुछ निकायों के पैनलों पर भी चर्चा कर नाम फाइनल किए गए।

अब शनिवार को भरतपुर संभाग के शेष निकायों के साथ जयपुर और जोधपुर संभाग के वॉर्ड-वार पैनलों पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद प्रदेश के अधिकांश निकायों और वॉर्डों में भाजपा प्रत्याशियों के चेहरे तय होने की संभावना है।

पार्टी ने नामांकन की अंतिम तिथि 31 अगस्त को देखते हुए शनिवार से ही निकाय-वार प्रत्याशियों की सूची जारी करने की तैयारी शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि शनिवार तक अधिकतर वॉर्डों के उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए जाएंगे।

- भाजपा के लिए वो वॉर्ड चुनौती बने हुए हैं, जहाँ स्थानीय नेताओं और दावेदारों में किसी एक नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। ऐसे वॉर्डों में संभाग प्रभारी, स्थानीय नेताओं से समन्वय कर सहमति बनाने का प्रयास करेंगे।

दो दिनों की बैठकों में अजमेर, उदयपुर, बीकानेर और कोटा संभाग के निकायों के साथ, भरतपुर संभाग के कुछ निकायों में भी प्रत्याशियों के नामों पर चर्चा कर निर्णय किए जा चुके हैं। इन बैठकों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड, निकाय चुनाव प्रभारी चंद्रशेखर बावनकुले, संभाग प्रभारी और सहप्रभारी, निकाय प्रभारी, संभागीय निकाय चुनाव संचालन समिति के सदस्य, जिलाध्यक्ष, जिला संगठन प्रभारी, विधायक, पूर्व विधायक, सांसद और अन्य प्रमुख नेता शामिल थे।

भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती उन वॉर्डों में प्रत्याशी चयन को लेकर बनी हुई है, जहां स्थानीय नेताओं और दावेदारों के बीच किसी एक नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। ऐसे वॉर्डों में संभाग प्रभारी स्थानीय नेताओं से समन्वय कर सहमति बनाने का प्रयास करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, जहां सहमति नहीं बन पाएगी, वहां तीन नामों के पैनल में से जीत की सबसे मजबूत संभावना वाले दावेदार के नाम पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी।

इन वार्डों में स्थानीय संगठन की रिपोर्ट, उम्मीदवार की क्षेत्रीय पकड़, जनाधार और जीत की संभावना को प्राथमिकता दी जाएगी। ऐसे कुछ विवादित वॉर्डों के प्रत्याशियों की घोषणा नामांकन की अंतिम तिथि 31 अगस्त की सुबह तक किए जाने की संभावना भी जताई जा रही है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय से रवाना होते समय निकाय चुनाव प्रभारी चंद्रशेखर बावनकुले ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा ऐतिहासिक जीत की ओर बढ़ रही है।

कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पास अब कुछ नहीं बचा है और वह केवल हल्ला-गुल्ला करना जानती है। निकाय चुनाव की तारीख नजदीक आने के साथ ही, भाजपा ने प्रत्याशी चयन की प्रक्रिया को अंतिम चरण में पहुंचा दिया है। शनिवार की बैठकों के बाद पार्टी की पहली बड़ी प्रत्याशी सूची आने की संभावना है, जिस पर प्रदेशभर के दावेदारों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं की नजरें टिकी हुई हैं।

खाद्य व पेय पदार्थों की पैकिंग पर चेतावनी लेबल लगेगा

नई दिल्ली, 28 अगस्त। खाने पीने की वस्तुओं के पैकेट पर जल्द ही आपको अधिक चीनी, नमक की चेतावनी दिख सकती है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और

- नेस्ले, पेप्सिको और कोका-कोला जैसी कंपनियां इस कदम का विरोध कर रही हैं क्योंकि इससे बिक्री पर असर पड़ने की आशंका है।

मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने अधिक चीनी, नमक या फैट वाले खाद्य और पेय पदार्थों के पैकेट पर लाल रंग का चेतावनी लेबल लगाने का प्रस्ताव दिया है।

इससे उपभोक्ता उसे खरीदने से पहले स्वास्थ्य को होने वाले नुकसान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)